हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 9 जनवरी, 2024

12 जिले में फिलहाल 4500 बेसहारा गौवंश, अब होगी गुलाबी रंग की ईयर टैगिंग

12 हर व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचना ही सरकार का लक्ष्य

खबर संक्षेप

गुरुनानकपुरा में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को निःशुल्क सुंदरकांड पाठ का आयोजन राजेंद्र बंसल के निवास स्थान मोहल्ला गुरुनानकपुरा निर्मल क्लीनिक के पास किया जाएगा। मंडल के सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया कि सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे। सुंदरकांड पाठ के बाद भजनों का दौर शुरू होगा, जिसमें शहर के गायकार भजनों से बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे।

बिजली निगम ने किसानों के लिए बदला शेड्यूल

नारनौल। महेंद्रगढ़ की सब्जी मंडी में रविवार को आयोजित नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी के अभिनंदन समारोह में किसानों को दिन में बिजली दिए जाने की रखी गई मांग पर संज्ञान लेते हुए राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने बिजली निगम अधिकारियों को निर्देश दिए थे। राज्यमंत्री के आदेश अनुसार सोमवार से बिजली निगम ने अपना शेड्यूल दिन में कर दिया है।

कॉन्स्टेबल भर्ती के फिजिकल टेस्ट के एडमिट कार्ड जारी

नारनौल। कर्मचारी चयन आयोग की ओर से कॉन्स्टेबल दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट अंतिम दिसंबर को घोषित कर दिया गया था। इस एग्जाम में शॉर्टलिस्ट हुए उम्मीदवारों को अब फिजिकल व मेजरमेंट टेस्ट में शामिल होना होगा। एसएससी की ओर से फिजिकल टेस्ट का आयोजन 13 से 20 जनवरी तक किया जाएगा। इस भर्ती के माध्यम से कॉन्स्टेबल मेल के 5056 पदों व कॉन्स्टेबल फीमेल के लिए कुल 2491 पदों पर नियुक्तियां की जाएगी।

पटवारी एवं कानूनगो की हड़ताल, लोग परेशान

कनीना। वेतन विसंगतियों में सुधार की मांग को लेकर पटवारी व कानूनगो की ओर से शुरू की गई हड़ताल सोमवार को सप्ताहभर बाद भी जारी रही। हड़ताल के चलते जरूरतमंद नागरिकों का कोई कार्य नहीं सका। कनीना में उनके कार्यालय सुने पड़े रहे। पटवार कानूनगो एसोसिएशन के प्रधान राजसिंह चौहान ने कहा कि हड़ताल के चलते आगामी 10 जनवरी तक पटवारखाना में भूमि रिकॉर्ड से जुड़े काम नहीं किए जाएंगे।

क्रैशर जोन के मजदूरों का चेकअप करेगा विभाग

निजामपुर। सरकार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग ने क्रैशर जोन में कार्यरत मजदूरों के स्वास्थ्य चेकअप करने का शेड्यूल बनाया है। धौलेड़ा जोन में विभागीय चिकित्सक डा. अलका हुड्डा ने करीब 150 मजदूरों का स्वास्थ्य जांचा, उन्हें सिलिकोसिस बीमारी के लक्षणों से अवगत कराया तथा बचाव संबंधी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती, इसलिए स्वास्थ्य से अधिक काम को प्राथमिकता देते हैं। इतना ही नहीं बीमारी के शुरूआती लक्षणों को नजरंदाज करके झोलाछाप डॉक्टरों से टेबलेट लेकर काम धंधे पर चले जाते हैं।

फास्ट फूड खाने से कमजोर होता है पाचन तंत्र

नांगल चौधरी। फास्ट फूड खाने और ठंडा पानी पीना अच्छा लगता है, लेकिन लगातार इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र कमजोर होने लगता है, जिससे शरीर के विभिन्न अंग निष्क्रिय भी हो सकते हैं। समाधान के लिए भोजन में पौष्टिकता और स्वच्छता होनी अनिवार्य है।

महिला व साइबर थाना भी अलग से खुला

विडम्बना : विकास कार्यों में पीछे, नारनौल में 10 साल में दोगुना बढ़ा अपराध

अपराध बढ़ता देख निजामपुर व सिटी कनीना चौकी को बनाना पड़ा थाना

सतीश सैनी ⏭ नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ में अपराध जगत में 10 साल अहम निकले है। पुलिस विभाग की ओर से दर्ज की गई थाना वाइज एफआईआर के रिकॉर्ड पर नजर डालते है। साल 2014 में जहां जिलाभर में कुल 2691 एफआईआर दर्ज हुई। अब 2023 में महिला थाना व साइबर थाना के आंकड़े को भी छोड़ दे तो 4026 एफआईआर दर्ज हुई। इन 10 सालों में गैंगस्टर सुरेंद्र चिकू, पपला गुर्जर व डा. कुलदीप यादव का जिक्र अपराध जगत के तौर पर सुना व देखा गया। सबसे बड़ी हैरानी इस बात में है कि नारनौल शहर ऐसा शहर है जहां भले ही विकास कार्यों में शहर पीछे हो, पर अपराध 10 साल में दोगुना के करीब पहुंचा है। इस शहर में 2014 में जहां 529 एफआईआर हुई, वहीं अब 10 साल बाद साल 2023 में 933 पहुंच गई है।

जिला महेंद्रगढ़ को यूं समझे...

नारनौल, महेन्द्रगढ़ और कनीना जिला के दो उपमण्डल है, जिन्हें आगे पांच तहसील नारनौल, अटेली, नांगल चैधरी, महेन्द्रगढ़ व कनीना तथा एक सब-तहसील सतनाली में विभाजित किया गया है। इस जिले में चार विधानसभा निर्वाचित क्षेत्र हैः नारनौल, अटेली, नांगल चैधरी व महेन्द्रगढ़। जोकि भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आते है। भौगोलिक स्थिति की बात करें तो महेन्द्रगढ़ जिला हरियाणा राज्य के दक्षिण-पश्चिम छोर के अन्तिम सिरे पर स्थित हैं। इसकी पश्चिम-दक्षिण की सीमायें तथा पूर्वी सीमा का एक बड़ा भाग राजस्थान प्रदेश तथा पूर्वी सीमा का शेष भाग हरियाण के जिला रेवाड़ी व उत्तरी भाग भिवानी जिले के साथ लगती हैं। क्षेत्रफल की बात करें तो इस जिले का कुल क्षेत्रफल 1899 वर्ग किलोमीटर हैं। इसमें नारनौल उप मण्डल का कुल क्षेत्रफल 922.34 वर्ग किलोमीटर तथा महेन्द्रगढ व कनीना उपमण्डल का कुल क्षेत्रफल 976.66 वर्ग किलोमीटर है। महेन्द्रगढ़ जिले में गावों की संख्या 374 हैं।

थाना वाइज 10 साल की एफआईआर

थाना	2023	2022	2021	2020	2019	2018	2017	2016	2015	2014	कुल
अटेली	379	356	386	295	323	356	282	234	231	235	3077
सिटी कनीना 232	159	—	—	—	—	—	—	—	—	391	
सदर कनीना 300	365	507	463	449	479	491	402	474	392	4322	
सिटी महेंद्रगढ़	469	438	538	627	693	755	714	562	524	662	5982
सिटी नारनौल	933	723	806	668	768	690	710	656	567	529	7050
नांगल चौधरी 347	336	439	344	415	434	437	377	377	381	3887	
निजामपुर	196	112	—	—	—	—	—	—	—	—	308
सदर महेंद्रगढ़	464	466	357	103	—	—	—	—	—	—	1390
सदर नारनौल	496	463	420	407	352	374	415	347	378	323	3975
सतनाली	210	215	206	163	171	190	218	175	194	169	1911
कुल	4026	3633	3659	3070	3171	3278	3267	2753	2745	2691	32293

(नोट : इसमें महिला थाना व साइबर थाना की एफआईआर शामिल नहीं है।)

10 साल में पुलिस व्यवस्था में यह हुए बदलाव

साल 2014 से अब तक पुलिस व्यवस्था में कई बदलाव देखने को मिले। अगस्त-2015 में जिला को अलग से महिला थाना मिला। इसे नारनौल में स्थापित किया गया। फिर महेंद्रगढ़ सिटी व सदर को अलग-अलग करने का सिलसिला साल 2020 में हुआ। सदर में 65 गांव व सिटी महेंद्रगढ़ थाना में शहर व आठ गांव जोड़े गए। इसके बाद साल 2022 में कनीना चौकी, निजामपुर चौकी को थाना बनाया गया। जून-2022 में साइबर थाना नारनौल में अलग से स्थापित किया गया। अभी महावीर पुलिस चौकी को भी सिटी-2 थाना बनाने की फाइल चल रही है।

सीसीटीवी में पांच हथियारबंद लोग गांव की गलियों में घूमते दिखे

मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात और नकदी चोरी

फुटेज को देखने के बाद ग्रामीण में दहशत का माहोल बना

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव की गलियों में घूमते चोर। *फोटो : हरिभूमि*

गांव देवास में अज्ञात चोर बंद मकान के ताले तोड़कर वहां से लाखों रुपये के आभूषण व नकदी चोरी कर लिए गए। कमाल की बात है कि चोरी की घटना के बाद मकान मालिक ने गांव व आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो पांच हथियारबंद लोग गांव की गलियों में सरेआम घूमते हुए दिखाई दिए। पीड़ित ने इन पांच लोगों पर घर में चोरी करने का शक जाहिर किया है।

पीड़ित ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर चोरों की तलाश करने तथा आभूषण व नकदी बरामद करने की मांग की है। गांव देवास निवासी नरेश कुमार ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह दिल्ली पुलिस में कार्यरत है। अपने बच्चों सहित दिल्ली में ही रहता है। गांव में उसका मकान बंद है। उसका छोटा भाई गांव में रहता है। सात जनवरी को उसके छोटे भाई सुरेश कुमार ने फोन पर सूचना दी कि घर का दरवाजा खुला हुआ है। जिस पर उसने छोटे भाई को हिदायत दी कि किसी वस्तु को छूना मत, वह आ रहा है। तब तक घर के मुख्य दरवाजे पर बैठकर किसी को भी घर के अंदर मत जाने देना। जब वह गांव देवास पहुंचा तो कमरों में सभी सामान इधर-उधर बिखरा हुआ पड़ा था।

अलमारियां व संदूक खुली पड़ी हुई है। उसने देखा कि घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर कमरे, रसोई घर का ताला टूटा हुआ था। कमरे में बनी सभी अलमारी व संदूक का भी ताला टूटा हुआ था। सामान को चेक किया तो कमरे के अंदर बीच वाली अलमारी में एक लेडिज पर्स रखा हुआ था, वह गायब था। जिसमें दो सोने की चेन, प्रत्येक 2-2 तोला की, एक अंगूठी पुरुष की एक तोला व एक अंगूठी महिला की एक व दो तोला की। एक जोड़ी टॉप्स सोने के, एक नोज पिन सोने की। एक चांदी का ब्रेसलेट, दो जोड़ी चांदी की पाजेब, दो नई 50-50 के नोटों की गड्डी व दो गड्डी 20-20 के नोटों की व कुछ खुले पैसे भी रखे थे, जो नहीं मिले।

सीसीटीवी में दिखाई दिए बद ग्रामीणों में दहशत

इस सीसीटीवी फुटेज का देखने के बाद ग्रामीण दहशत में हैं। उनका मानना है कि यह बदमाश कोई भी वारदात अंजाम दे सकते थे। यदि चोरी करने में कोई बाधक बनता तो ये उसे भी मार देते। उनका मानना है कि हथियारबंद यह बदमाश पेशेवर लगते हैं तथा चोरी-डकैती इनका पेशा लगता है।

इसलिए पुलिस को गांवों खासकर कुओं पर अकेले में रह रहे लोगों की गश्त बढ़ानी चाहिए तथा ऐसे संदिग्ध लोगों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर पीड़ित नरेश कुमार ने पुलिस से चोरों की तलाश करने तथा आभूषण व नकदी बरामद करने की मांग की है। पुलिस ने नरेश की शिकायत पर मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

कानूनी कार्रवाई की मांग की

जब उन्होंने गांव में आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो गांव की गलियों में पांच व्यक्ति कुछ हाथ में पिस्टल लिए हुए व कुछ ने अपनी कमर में पिस्टल लगा रखी थी, दिखाई दे रहे हैं। उसे शक है कि इन पांचों व्यक्तियों ने ही उसके घर में घुसकर चोरी की है। इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

एटीएम कार्ड बदलकर पूर्व सैनिक के खाते से निकाले 37 हजार रुपये

महेंद्रगढ़। एक शातिर चोर ने पूर्व सैनिक का एटीएम कार्ड बदलकर उसके बैंक अकाउंट से 37 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित पूर्व सैनिक ने पुलिस थाने में शिकायत देकर चोर को पकड़ने व रुपये बरामद करने की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव देवास निवासी पूर्व सैनिक सुभाष चंद्र ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह सात दिसंबर को किसी कार्य से दोपहर महेंद्रगढ़ आया था। उसने बस स्टैंड के नजदीक बने एसबीआई बैंक के एटीएम बूथ से अपने अकाउंट से एटीएम कार्ड के माध्यम से तीन हजार रुपये निकाले थे। एटीएम बूथ से पैसे निकलते समय किसी अज्ञात शातिर चोर ने उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। इसके बाद शातिर चोर ने उसके एटीएम कार्ड से बैंक ऑफ बडौदा के एटीएम बूथ से 37 हजार रुपये उसके बैंक अकाउंट से निकल लिए। सुभाषचंद ने अज्ञात फ्रॉड करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की करने की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

पटवारियों ने बढ़ाई हड़ताल की अवधि

- तीन जनवरी से जारी है पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन कही हड़ताल
- हड़ताल के चलते लोगों को उठानी पड़ रही है परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। लघु सचिवालय में हड़ताल पर बैठे पटवारी व कानूनगो। *फोटो : हरिभूमि*

रेवेन्यु पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन का धरना सोमवार को छठे दिन भी लघु सचिवालय स्थित पार्क में जारी रहा। इस अवसर पर एसोसिएशन के जिला सचिव राकेश यादव ने बताया कि तीन जनवरी से सांकेतिक धरने पर बैठे जिले के तमाम पटवारी व कानूनगो ने प्रदेश सरकार की तरफ से रविवार तक भी बातचीत के लिए कोई बुलावा न आने पर धरने को 10 जनवरी तक आगे बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि आज क्लेरिकल एसोसिएशन के जिला प्रधान दिनेश यादव ने अपने साथियों के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। वहीं हड़ताल के चलते जिले के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर जिला सचिव राकेश यादव ने बताया कि पटवारी एवं कानूनगो साथी अपने हकों को लेकर संघर्ष के रास्ते पर है। सरकार की ओर से वेतन वृद्धि के नाम पर उनके साथ छल किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री की अनुशंसा होने के बाद भी वित्त विभाग की ओर से पूरा गणित लगाने के बाद पटवारियों व कानूनगो आश्वासन दिया गया था कि उनके वेतन की विसंगतियों को जल्द दूर किया जाएगा, लेकिन बार-बार झूठे आश्वासन मिलने के बाद ही उनको हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है।

मिड-डे मील कार्यकर्ता की बैठक आज

महेंद्रगढ़। मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन की बैठक मंगलवार को शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में होगी। बैठक में जिलेभर से मिड-डे मील कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगी। यूनियन जिला प्रधान, जिला सचिव व ब्लाक प्रधान ने बताया कि बैठक में चिरायु योजना में शामिल करने, 1500 रुपये प्रीमियम सालाना नहीं लिए जाने, मिड-डे मील कुक कम हेल्पर्स को परिवार पहचान पत्र से अलग रखकर मिड-डे मील कुक कम हेल्पर्स की सात हजार रुपये प्रतिमाह से गणना करने, साल में 10 माह के स्थान पर 12 महीने का मानदेय देने, हर माह सात तारीख तक मानदेय भुगतान करने, पिछले दो महीने का मानदेय भुगतान करने, सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श कर आगामी रूप रेखा तय की जाएगी।

बाल भवन में चल रही गतिविधियों और प्रोजेक्ट न्यायाधीशों ने किया निरीक्षण

नारनौल। सिविल जज अनुराग यादव जूनियर डिविजन व सिविल जज भुवनेश सैनी जूनियर डिविजन ने जिला बाल कल्याण परिषद में चल रही गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया। सिविल जज अनुराग यादव व सिविल जज भुवनेश सैनी ने सर्वप्रथम जिला बाल कल्याण परिषद में चल रही गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से चलाई जा रही गतिविधियों की सराहना की। इसके पश्चात उन्होंने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में जाकर वहां दाखिल मरीजों का हालचाल जाना तथा उन्हें फल वितरित किए। उन्होंने दाखिल मरीजों से नशा न करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि नशे से न केवल शारीरिक व आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि समाज में भी नशा करने वाले व्यक्ति का कोई सम्मान नहीं होता है। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता सुरेश कुमार, जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह, कार्यक्रम अधिकारी विवेक कुमार, नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र से परियोजना निदेशक रोहताश सिंह रंगा, आर्चरी कोच सुरेन्द्र शर्मा के अलावा अन्य स्टॉफ सदस्य मौजूद थे।

नांगल दर्गू स्कूल में एनएसएस कैंप शुरू

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू में एनएसएस कैंप के शुभारंभ पर प्राचार्य श्रीमती कैलाश यादव के दिशा-निर्देश व जिला ऑडिटर चरण सिंह बडेसरा की देखरेख में यह एनएसएस कैंप लगाया जा रहा है। इस कैंप के प्रथम दिन विशिष्ट अतिथि पुष्करमल शर्मा रहे। इस अवसर पर प्रवक्ता राजनीतिक विज्ञान रामस्वरूप ने एनएसएस के बच्चों को समाज में फैल रही कुरीतियों जैसे बाल विवाह, नशा, धूमपान इत्यादि पर प्रकाश डाला। स्टेज संचालक चरण सिंह बडेसरा ने अपने विचार व्यक्त किए और एनएसएस के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई दी और भविष्य में परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु प्रोत्साहित किया और सभी बच्चों ने आए हुए मेहमानों का स्वागत फूलमाला द्वारा किया।

चंडीगढ़ पहुंचे ग्रामीणों को डिप्टी सीएम ने दिया आश्वासन

चिड़िया से उन्हाणी तक ट्रेफिक सर्वे करवा स्टेट हाइवे बनेगा

- बाघोत कट के लिए गडकरी से जल्द मिलेंगे डिप्टी सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। चंडीगढ़ में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मिलते धरना कमेटी सदस्य।

राष्ट्रीय राजमार्ग 152-डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों की ओर से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को 302वें दिन भी जारी रहा। इसी दिन धरना कमेटी का का एक दल चंडीगढ़ में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से मिला। जजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यू राव की अगुवाई में मिले इस दल ने दो मांग रखी।

दोनों पर डिप्टी सीएम ने सहमति जताते हुए जल्द पूरी करने का आश्वासन दिया। इस संबंध में जजपा जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि इस अवसर पर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के ईआईसी राजीव यादव सहित अन्य अधिकारियों को बुलाया और निर्देश दिए कि गांव चिड़िया से उन्हाणी तक ट्रेफिक सर्वे करवाकर इस सड़क को स्टेट हाइवे में शामिल की जाए। यह सुन कमेटी सदस्यों ने खुशी जताई और डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का आभार व्यक्त किया। फिर बात नेशनल हाइवे-152डी की आई। धरना कमेटी दल ने अपना पक्ष मजबूती से रखा। कमेटी सदस्यों की बात सुनने के बाद डिप्टी सीएम ने कहा कि वह जल्द ही इस मामले में केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी से जल्द मिलेंगे और यहां कट लगवाने की मांग रखेंगे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर धरना कमेटी के अध्यक्ष विजय सिंह चेयरमैन, संयोजक महिपाल नंबरदार, राजकुमार यादव खातोद, दलबीर सिंह सरपंच चिड़िया, पंकज सरपंच खेड़ी, सरपंच प्रतिनिधि सुरेश झाड़ली, सरपंच प्रतिनिधि बलवान सिंह छितरोली, जीतराम सरपंच मोहनपुर, डॉ लक्ष्मण यादव सेहलंग, रेवाड़ी युवा जिला अध्यक्ष संदीप खोरी आदि मुख्यरूप से मौजूद थे। गौरतलब है कि डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला चार व पांच जनवरी दो दिवसीय महेंद्रगढ़ जिला के दौरे पर आए थे। उस वक्त धरना कमेटी ने डिप्टी सीएम से मुलाकात की थी, तब उन्हें चंडीगढ़ आने को कहा था।

RRCM GROUP OF SCHOOLS
NEET & JEE Coaching Experts REQUIRES
MATHEMATICS (2)
PHYSICS (3) CHEMISTRY (3) BIOLOGY (2)
PGT - Physics(2),Chemistry(2), Biology(2), Maths(3),English(4) Economics(1), Accounts(1), History Hindi Med.(1), Music (1) Geography Hindi Med.(1), Pol.Science Hindi Med.(1), Hindi(2)
TGT - Physics(2), Chemisty(2), Biology(1), Maths(2) S.S. Both Eng. Medium & Hindi Med.(2), English (2), Computer Science{Coding Language}(2), Maths(1) Sainik School Expert
Other- Robotics Expert(1), Academic Coordinator(1), Art & Craft(1), Spoken English (2), Reasoning(1)
PRT - All Subjects (English Medium)
Supporting Staff Hostel Warden Male(4), Hostel Warden Female(3) Carpenter, Electrician, Peon(3), LMV Driver, Computer Operator(2), Receptionist Female(2)
Walk in Interview on 11th & 12th January from 10:00 AM to 3:00 PM
Mail Your Resume at : rrcmschool@gmail.com
Venue : RRCM Campus, Sehore Road, Kanina
Help Desk : 9416996508, 9050296508, 7027496508, 7027096508

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि
सहेली
रोहतक,मंगलवार
9 जनवरी 2024
10

उद्गार

हम लेते हैं पूरा आनंद

मकर संक्रांति जैसे पर्व को लेकर भला कौन नहीं उत्साहित रहता। हमारी छोटे पर्दे की अभिनेत्रियां भी इस पर्व को बहुत उत्साह-उमंग से मनाती हैं। कुछ चर्चित सीरियल की अभिनेत्रियां **सहेली** को बता रही हैं, उन्हें यह पर्व क्यों भाता है, इसे वे कैसे मनाती हैं?

मकर संक्रांति की सबसे प्यारी चीज गुड़ की रोटी लगती है : नेहा जोशी

एंड टीवी के सीरियल 'अटल' में नेहा जोशी इन दिनों अटल बिहारी बाजपेयी की मां कृष्णा देवी बाजपेयी की भूमिका में नजर आ रही हैं। नेहा को मकर संक्रांति से जुड़ी सबसे प्यारी चीज क्या लगती है, वह बताती हैं, 'मुझे मकर संक्रांति से जुड़ी सबसे प्यारी चीज गुड़ की रोटी लगती है। मेरी मां गुड़ की रोटी बहुत ही स्वादिष्ट बनाती हैं। गुड़ की रोटी पर घर का बना देशी घी लगाकर खाने का एक अलग ही मजा है। इसमें गुड़ के साथ तिल भी होता है, जिसे खाने से जनवरी के ठंडे दिनों में बॉडी में हीट पैदा होती है। महाराष्ट्र में मकर संक्रांति पर काले कपड़े पहने जाते हैं, इसका एक कारण यह है कि जनवरी के महीने में ठंड बहुत होती है, काला रंग हीट को एब्सॉर्ब करता है। ऐसे में काले रंग के कपड़े पहनने से ठंड से बचाव होता है। मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। इसका रीजन यह भी है कि ठंड में जब पतंग उड़ाने के लिए हम छत पर जाते हैं तो ज्यादा से ज्यादा धूप मिलती है। इससे ठंड से बचाव होता है। मकर संक्रांति का पर्व मैं पूरी तरह से महाराष्ट्रीयन परंपरा से मनाती हूं। हमारे घर में सुबह गुड़ की रोटी बनती है, इस रोटी को हम देशी घी के साथ खाते हैं। शाम को काले कपड़े पहन कर अपने परिवार के साथ करीबी लोगों के घर जाकर बड़ों से तिल-गुल लेकर उनका आशीर्वाद भी लेते हैं। इस बार मकर संक्रांति का पर्व मैं सीरियल के सेट पर (बाजपेयी परिवार के को-आर्टिस्ट्स के साथ) मनाऊंगी। सेट पर काले कपड़े पहनकर जाऊंगी। मुझे बहुत खुशी है कि सीरियल के जरिए एक नया परिवार मुझे मिल गया, जिसके साथ मैं मकर संक्रांति का पर्व मनाऊंगी।'

तिल-गुड़ के लड्डू खिलाकर मीठा बोलने को कहते हैं : नेहा पेंडसे

स्टार भारत के सीरियल 'मे आई कम इन मैडम' की मुख्य अभिनेत्री नेहा पेंडसे मकर संक्रांति के पर्व को लेकर बहुत उत्साहित रहती हैं। वह कहती हैं, 'मकर संक्रांति का त्योहार हमारे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह पर्व अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग नाम और विधि से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में इसे मकर संक्रांति, महाराष्ट्र में हल्दी कुमकुम, दक्षिण भारत में इसे पोंगल के नाम से मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन से गर्मी के मौसम का आगाज होता है और लंबे दिनों की शुरुआत होती है, क्योंकि ठंडी के मौसम में दिन छोटे होते हैं। महाराष्ट्र में इस दिन लोगों को तिल और गुड़ के लड्डू देकर उन्हें पूरे साल मीठा बोलने यानी अच्छा व्यवहार करने को कहते हैं। तिल के सेवन का एक कारण यह भी है कि सर्दियों में तिल खाना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होता है, तिल गर्म होता है। हम बचपन से मकर संक्रांति पर तिल खाने की परंपरा निभाते आ रहे हैं ताकि सर्दी ना लगे। आप सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं!'

तिल के लड्डू खाने का इंतजार रहता है : परिवा प्रणति

सोनी सब के सीरियल 'वागले की दुनिया' में परिवा प्रणति लंबे समय से वंदना का किरदार निभा रही हैं। मकर संक्रांति के पर्व में उन्हें क्या अच्छा लगता है, इस पर वह हंसते हुए बताती हैं, 'इस फेस्टिवल का सबसे अच्छा पार्ट मुझे लगता है, मम्मी के हाथ के बनाए तिल के लड्डू। मकर संक्रांति पर एक अलग ही उल्लास पैदा हो जाता है। इस समय मौसम के परिवर्तन का एक उत्सव मनाया जाता है। यह बहुत प्यारा पर्व है। हमारे देश का हर त्योहार पॉजिटिव वाइब्स पैदा करता है, जिससे बहुत सारी खुशियां और समाज में खूबसूरती पैदा होती है। बचपन के दिनों में हमें मकर संक्रांति का उत्सुकतापूर्वक इंतजार रहता था कि मम्मी कब तिल के लड्डू बनाएंगी और पूजा होने के बाद हमें वो लड्डू खाने के लिए मिलेंगे। मेरे सीरियल की शूटिंग चल रही है, इसलिए इन दिनों मैं मम्मी-पापा से दूर हूं। लेकिन मेरी मम्मी मेरे लिए तिल के लड्डू जरूर बनाकर रखेंगी। मकर संक्रांति पर लोग पतंग उड़ाते हैं, लेकिन कुछ लोग चाइनीज मांझा यूज करते हैं, जो गलत है क्योंकि इस मांझे से बहुत से पक्षी घायल हो जाते हैं। मैं लोगों से कहना चाहूंगी कि इस मांझे से सावधान रहें, क्योंकि पक्षियों के अलावा बहुत सारे इंसान भी एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। आप ऐसा कुछ ना करें कि हमारे फेस्टिवल सेलिब्रेशन की वजह से किसी जीव या इंसान को नुकसान पहुंचे। हम फेस्टिवल को ऐसे सेलिब्रेट करें कि हर किसी को खुशी मिले।'

प्रस्तुति:सहेली फीचर्स

कंपकंपाती सर्दी के अवसान का संदेश देते सूर्य के उत्तरायण होने पर मंकर संक्रांति पर्व अनेक रूपों में मनाया जाता है। ऋतु परिवर्तन के साथ यह पर्व सामाजिक समरसता और पारिवारिक जुड़ाव में गर्माहट लाने का भी अवसर देता है। त्योहारी उत्साह और भावनात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण स्त्रियां, इस अवसर का भरपूर सकारात्मक उपयोग करती हैं।

मकर संक्रांति
ऊर्जा-उत्साह के बिखरते हैं नए रंग

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

सामाजिक मेल-जोल, जरूरतमंदों की मदद और अपनों संग हंसने खिलखिलाने का पर्व है मकर संक्रांति। यह पर्व पूरे परिवार को जोड़ने वाला एक उत्सव है। इसमें सेहत सहेजने का संदेश है, शगुन-सौगात देने की रिवायत है, साथ ही स्त्रियों के उल्लास से इस पर्व के रंग आसमान में उड़ान भरते हैं। यों भी त्योहारों के जरिए हमारे यहां आपसी जुड़ाव को मजबूती देने में स्त्रियों की सबसे अहम भूमिका होती है। पूरे परिवार को जोड़ने में तो स्त्रियां सदा आगे रहती ही हैं। मकर संक्रांति के त्योहार पर उनकी भूमिका और भी मुखर हो उठती है। तिल-गुड़ की मिठास परोसने से लेकर पतंगबाजी के पेंच लड़ाने और रीति-रिवाज निभाने तक। नए साल के इस पहले पर्व पर ऊर्जा और उत्साह के भी नए रंग बिखरते हैं।

सेहत सहेजने का खयाल

हमारे भारतीय समाज में परिवार की सेहत सहेजने की सोच हर स्त्री के मन में गहराई से बसी होती है। संक्रांति का त्योहार स्वस्थ खान-पान और प्राकृतिक जीवनशैली से भी जुड़ा है। पतंगबाजी का यह पर्व ना सिर्फ रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव का एक मोड़ होता है बल्कि सेहत के लिए सार्थक संदेश भी देता है। छंटते कोहरे और गुनगुनी धूप वाली इस रुत में घर के हर सदस्य की दिनचर्या बदल जाती है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं। प्रकृति करवट लेती है। महिलाएं तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसी चीजों के स्नैक्स, मिठाई और पकवान बनाती हैं। सर्दियों के बाद ऊर्जा से भरी जीवनशैली की ओर लौटने का यह पड़ाव स्त्रियों के लिए अपनों की सेहत संभालने का भी समय होता है। धूप सेंकते हुए बच्चों-बड़ों की मालिश करना, सिगड़ी जलाकर बातचीत की बैठकी जमाना या पौष्टिक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों को खान-पान का हिस्सा बनाना, इस तरह महिलाएं इस मौसमी त्योहार के समय अपनों की सेहत के मोर्चे पर बहुत अधिक मुस्तैद रहती हैं।

सामाजिक सामंजस्य की भावना

सामाजिक संबंध पतंग डोर जैसे ही तो होते हैं। आपसी जुड़ाव ही हमें जीवंत बने रहने का आसमान देता है। साझे सरोकारों की डोर ही सामाजिक जुड़ाव में ठहराव लाती है। आस-पड़ोस के लोगों में भावनात्मक बंधन बनाती है। सगे-संबंधियों को करीब लाती है। सामंजस्य की डोर के बंधन के बिना एक-दूजे से कटकर जीने के तो कोई मायने ही नहीं हैं। संघर्ष का दौर हो या सहज स्थितियां, आपसी तालमेल की इस बुनियाद को स्त्रियां सबसे ज्यादा मजबूत बनाती हैं। सुख-दुख साझा करना हो या मिल-जुलकर पर्व मनाना, रिश्तों के ताने-बाने को सहेजती स्त्रियां स्नेह की प्रेमपगी डोर से परिचितों-अपरिचितों को बांधती हैं। सद्भाव की उड़ान को बल देने वाला यह भाव भारतीय समाज की पहचान रहा है। हमारी पारिवारिक व्यवस्था को थामने वाला आधार बना है। मकर संक्रांति के पर्व पर समाज और परिवार को बांधने वाला मेल-मिलाप का यह भाव-चाव देश के हर कोने में साफ दिखाई देता है। तमिलनाडु में पोंगल तो आंध्र प्रदेश, कर्नाटक व केरल में संक्रांति। हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं पंजाब में माघी तो गुजरात में उत्तरायण के नाम से मनाए जाने वाले इस त्योहार पर स्त्रियां सामाजिक सद्भाव को मन से सींचती हैं। संक्रांति के त्योहार पर घर-परिवार के सभी लोग इकट्ठे होकर खुशियां मनाते हैं। पूरा परिवार छत पर जमा होकर पतंगबाजी करता है। हंसता-खिलखिलाता है। आस-पड़ोसी भी एक-दूजे से जुड़ते, बोलते-बतियाते हैं। खुशियों के भावों को जोड़ने वाली साझी कड़ी, महिलाएं ही होती हैं। सामाजिकता के भावों को पोषण देते हुए मेल-जोल का माहौल बनाती हैं। सृष्टि के लिए ऊर्जा के स्रोत सूर्य की आराधना के इस पर्व पर स्त्री मन की सामाजिकता का भाव कई मानवीय पहलुओं पर मुखर होता दिखता है।

मदद की सोच

मकर संक्रांति के त्योहार पर किया जाने वाला दान भी सामाजिक सरोकार की सोच से ही जुड़ा है। मन के मेल संग अपने माहौल में किसी जरूरतमंद का मददगार बनना, इस पर्व का सबसे सुंदर पक्ष है। रिवाज के मुताबिक शगुन स्वरूप दान करने की बात हो या कमजोर परिस्थितियों से जूझते लोगों की सहायता करने का भाव, स्त्रियां हमेशा आगे रहती हैं। मानवीय मदद से जुड़ी सामाजिक मान्यताओं के मायने, स्त्रियां व्यावहारिक धरातल पर उतारती दिखती हैं। प्रकृति का आभार जताने के इस पर्व पर जरूरतमंदों को दान देने की रीत का निर्वहन ज्यादातर घर की महिलाएं ही करती हैं। जिसके चलते सामाजिक सरोकार से भी स्त्रियां गहराई से जुड़ जाती हैं।

सलाह / विनीता

रिश्तों में घोलें मिठास

मकर संक्रांति के पर्व का नाम सुनते ही बचपन की मीठी यादें ताजा हो जाती हैं, जब कई दिनों पहले से ही त्योहार की तैयारियां शुरू हो जाती थीं। घरों से तिल भुनने की सौंधी-सौंधी महक एक अलग ही माहौल बना देती थी। परिवार की सभी महिलाएं साथ मिलकर तिल और लइया के लड्डू और मूंगफली की चिक्की बनाने में जुट जाती थीं। गुड़ की चाशनी में बने ये लड्डू अलग ही स्वाद देते। इनका आनंद लेते घर में बच्चे खुश होकर उछल-कूद मचाने लगते थे।

तिल की ऊष्मा से सकारात्मक ऊर्जा का संचार : मकर संक्रांति के दिन हमें सुबह सूर्योदय से पहले ही जगा दिया जाता था, क्योंकि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में सिर पर तिल रख कर स्नान करने के बाद आग में तिल की आहुति दे, उसके आस-पास बैठने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि तिल की ऊष्मा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और साथ बैठकर आग तापने से रिश्ते में आत्मीयता बढ़ती है।

प्रेम की डोर से बांधते रिश्ते : मकर संक्रांति के अवसर पर लोग अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों को रेवड़ी और गजक का उपहार देते हैं। आमतौर पर यह जिम्मेदारी हम बच्चों को ही सौंपी जाती थी। हम बच्चे पड़ोस के घरों में पकवानों से भरी कटोरियां पहुंचाने जाते थे, बदले में हमें भी वहां से उपहार मिलता था। हम खुश होकर घर लौटते। दरअसल, मकर संक्रांति का पर्व एक ऐसा माध्यम है, जो लोगों के रिश्तों को प्रेम की डोर से बांधे रखता है।

स्नेहपूर्ण व्यवहार का दें अनमोल उपहार : इस बार मकर संक्रांति त्योहार के अवसर पर आप खुद से यह वादा करें कि उपहारों का आदान-प्रदान केवल वस्तुओं तक ही सीमित नहीं रखेंगी बल्कि अबकी आप अपनों को स्नेहपूर्ण व्यवहार का ऐसा अनमोल उपहार देंगी, जो आजीवन उनके लिए उपयोगी साबित होगा। केवल त्योहार के दिन ही नहीं, बल्कि हमेशा अपने प्रेमपूर्ण व्यवहार से रिश्तों को सींचेंगी। लोगों को फोन करके उनका हाल पूछेंगी, समय निकालकर उनसे मिलने जाएंगी और जब भी उन्हें जरूरत होगी, हमेशा खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करेंगी, ऐसी अच्छी आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगी। उपहार देने के साथ लोगों तक अपनी सद्भावनाएं भी पहुंचाएंगी।

इन दिनों आप मकर संक्रांति की तैयारियों में जुटी होंगी। इस दिन पहनी जाने वाली ड्रेस का सेलेक्शन अगर आपने अब तक नहीं किया है तो हम आपको बता रहे हैं, कुछ ट्रेडिशनल ड्रेसेस के बारे में। इनसे आपको मिलेगा कंप्लीट फेस्टिवल लुक।

इस मकर संक्रांति पर पहनें
अट्रैक्टिव-ट्रेडिशनल ड्रेसेस

ड्रेसअप / ममता आनंद
फैशन डिजाइनर

नया साल शुरू होते ही पारंपरिक त्योहार मकर संक्रांति का इंतजार बेसब्री से किया जाने लगता है। मकर संक्रांति का जिक्र आते ही मन में उल्लास भर जाता है। इस अवसर पर महिलाएं पूजा-पाठ, खान-पान की तैयारियों के साथ अपने लुक पर भी विशेष ध्यान देती हैं। इस अवसर पर ट्रेडिशनल ड्रेस ही फबती हैं। इसलिए हम आपको बता रहे हैं, कुछ ट्रेडिशनल ड्रेस ऑप्शंस के बारे में, जिन्हें आप इस मकर संक्रांति पर कैरी कर पा सकती हैं फेस्टिव लुक।

डिफरेंट सूट्स : अगर आप इस मौके पर सूट कैरी करना चाहती हैं, तो पटियाला सूट ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको प्रॉपर पंजाबी लुक मिलेगा। इसके अलावा आप अनारकली डिजाइन का सूट भी पहन सकती हैं। अगर आप डिफरेंट टाइप का लुक चाहती हैं तो प्लाजो या पैंट सूट ट्राई कर सकती हैं। इस सीजन को देखते हुए फुल स्लीव्स वाले कुर्ते ही परफेक्ट लगते हैं। इस अवसर पर अपने लिए सूट सेलेक्ट करते समय कलर का भी ध्यान रखें। इस मौके पर रेड, यलो, ग्रीन जैसे कलर की ड्रेसेस सबसे अच्छी लगती हैं। जहां तक फैब्रिक की बात है तो वेलवेट या फिर सिल्क का सेलेक्शन करें।

कलर्ड लॉन्ग स्कर्ट-कुर्ती : अगर आप इस फेस्टिवल पर ट्रेडिशनल के साथ एथनिक लुक भी चाहती हैं, तो लॉन्ग स्कर्ट विद लॉन्ग कुर्ती पहन सकती हैं। लेकिन स्कर्ट कलरफुल होनी चाहिए। कलर्ड स्कर्ट के साथ लॉन्ग-स्ट्रेट कुर्ती पेयर कर सकती हैं। इस ड्रेस में आप बहुत प्यारी नजर आएंगी। इसके साथ मैचिंग दुपट्टा भी कैरी करें। इससे आपका ट्रेडिशनल लुक कंप्लीट हो जाएगा। कुर्ती पर हैंड वर्क वाली कढ़ाई होगी तो और भी अच्छी दिखेंगी।

श्रग ड्रेसेस : इस त्योहार पर अगर आप स्टाइलिश दिखने, ठंड से बचने के साथ कुछ डिफरेंट ड्रेस कैरी करना चाहती हैं, तो आप श्रग या श्रग वाली ड्रेस का सेलेक्शन कर सकती हैं। ऐसा लुक आप अपने वॉर्डरोब में रखी ड्रेसेस से खुद भी क्रिएट कर सकती हैं। श्रग वाली ड्रेस के लिए नीचे स्कर्ट या प्लाजो पहनें, उसके ऊपर ब्लाउज या फिर कोई टॉप कैरी करें। फेस्टिव लुक कंप्लीट करने के लिए इस ड्रेस के ऊपर श्रग पहनें। श्रग से आपको ट्रेडिशनल लुक मिलेगा। आप चाहें तो साड़ी पर भी श्रग पहन सकती हैं।

साड़ी : कई वर्किंग वूमेन डेली रूटीन में साड़ी नहीं पहनती हैं। लेकिन मकर संक्रांति के अवसर पर साड़ी पहनेंगी तो फेस्टिव लुक ही नहीं मिलेगा, आपको फील गुड भी होगा। इन दिनों मार्केट में आपको साड़ी की कई वैरायटीज मिल जाएंगी। मौसम में ठंड को देखते हुए आप सिल्क फैब्रिक की साड़ी को वियर कर सकती हैं। इसमें आप अट्रैक्टिव दिखने के साथ ठंड से भी बचेंगी। अगर आप कुछ डिफरेंट लुक चाहती हैं, तो साड़ी को वेलवेट में डिजाइन करवा सकती हैं। इन दिनों वेलवेट ट्रेंड में भी है।

लाइट वेटेड लहंगा : अगर आपका मन सूट या साड़ी से इतर कोई ट्रेडिशनल ड्रेस पहनने का है तो लहंगा भी पहन सकती हैं। आपको मार्केट में लाइट वेटेड कई तरह के लहंगे मिल जाएंगे। सर्दी का मौसम है, तो आप सिल्क लुक वाला लहंगा खरीद सकती हैं। पर ध्यान रहे कि लहंगा बहुत ज्यादा हैवी ना हो, ताकि आप उसे आसानी से कैरी कर सकें। लहंगा लेते समय उसमें ऑरेंज, रेड या फिर वाइन कलर सेलेक्ट करें।

प्रस्तुति : निधि गोयल

रेसिपी
ओम प्रकाश गुप्ता

मकर संक्रांति के अवसर पर तिल और गुड़ से कई तरह के व्यंजन बनाए-खाए जाते हैं। आप भी इन्हें आसानी से घर पर ही बना सकती हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं ऐसे कुछ व्यंजनों की रेसिपी।

मकर संक्रांति पर बनाएं तिल-गुड़ के व्यंजन

तिल-गुड़ के लड्डू

सामग्री: सफेद तिल-250 ग्राम, गुड़ का चूरा-200 ग्राम, कद्दूकस किया सूखा नारियल-100 ग्राम, इलायची पावडर-आधा छोटा चम्मच, घी-1 बड़ा चम्मच

विधि: पहले भारी तले की कड़ाही में घी गर्म करें। इसमें तिल मिलाकर मध्यम आंच पर चलाते हुए हल्का ब्राउन होने तक भूनें। इसमें गुड़ का चूरा, सूखा नारियल और इलायची पावडर डालकर अच्छी तरह मिलाकर गैस बंद कर दें। मिश्रण जब हल्का गर्म रहे, तभी हाथों को चिकना करके मनचाहे आकार के लड्डू बना लें।

मूंगफली गुड़-पट्टी

सामग्री: कसा हुआ गुड़- 1 बड़ा कप, भूनी मूंगफली के टुकड़े-1 बड़ा कप, घी-1 बड़ा चम्मच, पानी-आवश्यकतानुसार

विधि: कड़ाही में घी गरम करें। इसमें कसा हुआ गुड़ और 1 बड़ा चम्मच पानी मिलाकर पकाएं। आवश्यकता हो तो थोड़ा पानी और मिला लें। गुड़ की गाढ़ी चाशनी बन जाने पर मूंगफली के टुकड़े मिलाकर चिकनाई लगी ट्रे में जमाएं। कुछ देर बाद मनचाहे आकार में काट लें। मूंगफली गुड़ की पट्टी तैयार है।

तिल-पिस्ता बर्फी

सामग्री: तिल-200 ग्राम, खोया-100 ग्राम, पिस्ता-चौथाई कप, पिसी चीनी-75 ग्राम, शुद्ध घी-1 छोटा चम्मच

विधि: सबसे पहले तिल भूनकर रख लें। अब खोया को मंदी आंच पर गुलाबी होने तक भूनें। इसमें भुने तिल मिलाकर थोड़ा और भूनें। जब मिश्रण कड़ाही छोड़ने लगे तब घी डालकर चलाएं। आंच से उतारकर चीनी मिलाएं फिर चिकनाई लगी थाली में जमाकर पिस्ता बुरक दें। मनचाहे आकार में काट लें।

तिल-पोटेटो थाली पीठ

सामग्री : गेहूं का आटा-1 कप, बेसन-आधा कप, कसे हुए उबले आलू-1 कप, अदरक पेस्ट-1 छोटा चम्मच, बारीक कटी हरी मिर्च-1 बड़ा चम्मच, तिल-1 बड़ा चम्मच, नमक-स्वादानुसार, जीरा-1 छोटा चम्मच, दही-1 कप, रिफाइंड ऑयल-सेंकने के लिए

विधि: तिल, तेल, दही और हरी मिर्च छोड़कर सारी सामग्री अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण में आवश्यकतानुसार दही मिलाकर आटा गूंध लें। तैयार आटे की लोइयां बनाएं। थोड़ा-थोड़ा तिल और हरी मिर्च लगाकर लोइयों को बेल लें। कटोरी से गोल काट लें। तवा गरम करके दोनों ओर तेल लगाते हुए उलट-पलट कर थाली पीठ सेंक लें। अब अचार या चटनी के साथ परोसें।

खबर संक्षेप

गोशाला पहुंचकर गायों को खिलाया गुड़

नारनौल। गांव कारोली निवासी संतोष खटाना सोमवार को 40 किलो गुड़ लेकर अपने साथियों के साथ गांव दनचौली गौशाला पहुंचे। जहां उनके द्वारा गौमाता की पूजा अर्चना कर गोमाता को नमन किया। साथ ही उनको गुड़ खिलाकर परिवार के स्वस्थ जीवन व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही समाजसेवी संतोष खटाना द्वारा 2100 रुपये की गोशाला के नाम पर्ची करवाकर दान स्वरूप भेंट किए।

पार्किंग के पास खड़ी बाइक ले गए चोर

धारूहेड़ा। बस स्टैंड के पास पार्किंग के पास खड़ी एक बाइक चोरी हो गई। पुलिस को दर्ज शिकायत में सोहना रोड निवासी राकेश ने बताया कि वह बाइक लेकर सब्जी मंडी में खरीददारी करने के लिए गया था। बाइक पार्किंग के पास खड़ी करने के बाद वह सब्जी लेने के लिए चला गया। वापस आने पर उसे बाइक गायब मिली। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर लिया।

सांड को आग लगाने का आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। रतनथल में एक सांड पर पेट्रोल डालकर आग लगाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। करीब दो माह पूर्व गांव के सांड को आग लगा दी गई थी। पुलिस ने गांव के मुरारीलाल की शिकायत पर सुरेश के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी सुरेश को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा

125 करोड़ खर्च पर भी नहीं मिल रहा शुद्ध जल

मात्र 40 प्रतिशत आबादी तक ही पहुंचा पीने का पानी

प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में रही भारी कमी ठेकेदार को कर दी गई है पूरी पेमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

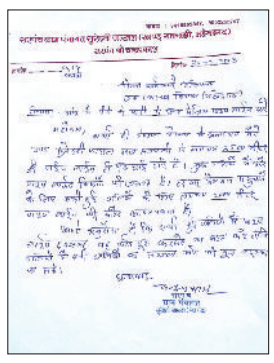

महेंद्रगढ़। सुरहेती जाखल के सरपंच द्वारा लिखा गया पत्र। *फोटो : हरिभूमि*

सतनाली क्षेत्र के 25 गांवों व नौ ढाणियों में हर घर तक पीने का पानी पहुंचाने के लिए नाबार्ड से लगभग 125 करोड़ का एक प्रोजेक्ट बनाया गया था। सूत्रों के अनुसार इस प्रोजेक्ट का कार्य अब पूरा हो चुका है और ठेकेदार को पेमेंट भी कर दी गई है। अब इस प्रोजेक्ट की बहुत सी खामियां निकलकर सामने आ रही हैं। जहां एक तरफ लगभग अधिकांश गांवों में लाइन लगभग 30 से 40 प्रतिशत ही बिछाई गई है। वहीं कुछ गांव ऐसे भी हैं, जहां या तो लाइन बिल्कुल ही नहीं बिछाई गई या फिर महज 10 प्रतिशत ही लाइन बिछाई गई। ठेकेदार ने अपनी मनमर्जी से लाइन बिछा दी तथा बहुत सी जगह पर महज आधा दर्जन घरों को ही पानी की आपूर्ति करने के लिए डिजाइन को दरकिनार करते हुए आधे से एक किलोमीटर तक लाइन बिछाई गई हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग ने इस कार्य के क्रियान्वयन के लिए नारनौल डिवीजन को ये प्रोजेक्ट दिया गया था। यहां के गांवों के सरपंचों की लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि यहां लाइन बिछाने के काम में बहुत सी कमियां हैं। इसके बाद विभिन्न गांवों के सरपंचों और जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता के साथ बैठक की गई, जिसमें बहुत सी बातें निकलकर सामने आई हैं। जहां भी पाइप लाइन नहीं बिछाई गई हैं। वहां केंद्र सरकार के 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत सांसद धर्मबीर सिंह के सहयोग से बजट मंजूर करवाया जाएगा, जिससे हर घर तक नल और नल में जल पहुंचाने का मोदी सरकार का लक्ष्य पाने की दिशा में कदम आगे बढ़ाया जा सके। सभी गांवों के सरपंचों से गांव के नक्शे में मार्क करवाया जा रहा है कि कहां-कहां लाइन और बिछाए जाने की आवश्यकता है। जनस्वास्थ्य विभाग के चीफ इंजीनियर से भी इस बारे मुलाकात की गई थी। चीफ इंजीनियर ने कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए हैं। सभी गांवों के एस्टिमेट जल्द से जल्द बनाकर एक प्रोजेक्ट के तहत मुख्यालय भिजवाने हैं, जिससे केंद्र सरकार के 'जल जीवन मिशन' के तहत फंड मंजूर करवाकर हर घर तक पीने का पानी पहुंचाया जा सके।

यहां मिली खामियां

गांव नंगला में नाबार्ड के प्रोजेक्ट के तहत 2500 मीटर लाइन बिछाई जानी थी। मगर बिछाई गई महज 600 मीटर। इस प्रकार गांव पथरवा में 2784 मीटर की जगह बिल्कुल ना के बराबर लाइन बिछाई गई। गांव बलाना में 2778 मीटर की जगह महज 500 मीटर ही लाइन बिछाई गई। बहुत से गांवों में गलियों को जेसीबी से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया तथा टूटी हुई टाइल लगाकर रास्ते ऊबड़-खाबड़ कर दिए गए। गांव डिगरोता में तो ठेकेदार ने लगभग आधा दर्जन पाइप बिछाए ही नहीं और ऐसे ही छोड़कर चला गया। इसके अलावा गांव डालनवास, माधोगढ़, सुरेती जाखल, डिगरोता, श्यामपुरा, जड़वा, सुरेती पिलानिया, बलाना सहित लगभग एक दर्जन गांवों के सरपंचों ने कार्यकारी अभियंता को पत्र लिखकर पाइप लाइन की डिमांड दी है।

यह भी आरोप

गांव डालनवास के सरपंच प्रतिनिधि ओमबीर ने बताया कि नाबार्ड के प्रोजेक्ट में लगभग 4500 मीटर लाइन बिछाई जानी थी, जबकि लाइन बिछाई गई महज 2000 मीटर। ठेकेदार ने गांव की बहुत सी गलियों को जेसीबी से बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है।

इसके अलावा बलाना के सरपंच बिंदर ने बताया कि गांव में लाइन बिछनी थी, लगभग 3000 मीटर, जबकि फिरनी में ही महज 500 मीटर लाइन बिछाकर काम बंद कर दिया गया। गांव के एक भी घर तक लाइन नहीं पहुंच पाई।

सोनाक्षी ने जन्मदिन पर जरूरतमंदों को बांटे वस्त्र

- सभी को जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

गांव तोबड़ा अटेली के सरपंच धीरज कौशिक की बेटी सोनाक्षी कौशिक ने रविवार को अपना जन्मदिन बड़ी सादगी से मनाते हुए जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र ओर फल भी वितरित किए। सोनाक्षी कौशिक ने कहा कि अपने परिवार की मर्यादा को निभाते हुए उन्होंने अपना जन्मदिन बड़ी सादगी से मनाने का निर्णय लिया और मन्दिर में परिवार सहित पूजा अर्चना करते हुए उन्होंने जरूरतमंदों को कम्बल, शॉल, लोई और फल आदि वितरित किए। सोनाक्षी कौशिक ने कहा सभी को अपना जन्मदिन सादगी से मनाना चाहिए और जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए।

मंडी अटेली। अपने जन्मदिन पर वस्त्र वितरित करती सोनाक्षी कौशिक।

नशे के प्रति जागरुकता से बचाव संभव : मखनलाल

नांगल चौधरी। नशाखोरी जन्म-जात बीमारी नहीं होती, यह हम उमर वालों के दबाव में शुरू होती है। बचाव के लिए समाज में जागरूकता लाने की जरूरत है। जिसमें युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। कमानिया के सरपंच मखनलाल युवाओं के नशा मुक्ति सेमिनार में कहा कि दमा, बुखार, डायबिटीज आदि बीमारियां व्यक्ति तक सिमित होती हैं। इनके इलाज में पैसे भी खर्च होते हैं, लेकिन सामाजिक नुकसान नहीं होता। नशाखोरी व्यक्तिगत नुकसान करने के अलावा, सामाजिक व आर्थिक रूप से नष्ट कर देती है। अधिकतर युवा आपसी देखादेखी, खुशी के अवसर पर प्रभाव जमाने के मकसद से नशा करना आरंभ करते हैं।

गुदड़िया गोशाला में हुआ सांग

- कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व एसडीएम संदीप सिंह रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव माधोगढ़ स्थित श्रीकृष्ण बाबा गुदड़िया गोशाला में चार दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन सांग व रागनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व एसडीएम संदीप सिंह रहे। मुख्यातिथि ने अपने निजी कोष से गोशाला संस्था को 21 हजार रुपये का योगदान दिया। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि अनिल शर्मा भारद्वाज गौशाला को 51 हजार रुपये का सहयोग दिया। इसके अलावा अध्यक्षता प्रीतराम डिगरोता ने गोशाला को 21 हजार रुपये, रामभगत ने 11 हजार रुपये, धर्मपाल बारड़ा ने 11 हजार, अजीत ने 11 हजार रुपये, विजय माधोगढ़ ने 5100 रुपये, राजवीर माधोगढ़ ने 5100 रुपये, जिले सिंह ने 5100 रुपये तथा कृष्ण कुमार ने भी गोशाला में सहयोग दिया। गोशाला प्रधान मुकेश झुकियां, उपप्रधान जुगल किशोर गुप्ता, सचिव रामफल शर्मा, रामभगत फौजी, रामकिशन शर्मा, मुन्ना सेठ माधोगढ़, जगत सिंह, धर्मपाल, सुधीर लांबा, रामपाल लांबा, धर्मवीर पूर्व सरपंच डालनवास मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। अतिथियों को स्वागत करते कमेटी सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

खातोली जाट टीम ने नांगल चौधरी को हराया

- विजेता टीम को समाजसेवी महेंद्र गुर्जर ने नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल नूनिया में बाबा सहज भारती क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ भाजपा नेता महेंद्र गुर्जर ने किया। खातोली जाट की टीम ने नांगल चौधरी को छह विकेट से हराकर शुभारंभ मैच जीता है। लीग मैचों में विजेता रही टीमों को सेमीफाइनल तथा फाइनल खिलाया जाएगा। विजेता टीमों को खेल कमेटी निर्धारित पुरस्कार राशि तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करेगी। खेल कमेटी के प्रवक्ता सत्यपाल ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन छह गांवों की टीमों ने पंजीकरण करवाया है। जिनमें नांगल चौधरी और खातोली जाट के बीच उद्घाटन मैच करवाया गया। टॉस जीतने के बाद नांगल चौधरी टीम के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। आठ ओवर के इस मैच में नांगल चौधरी की शुरूआत अच्छी नहीं रही, टीम के ओपनर बल्लेबाज पहले ही ओवर में कैच आउट हो गया। अगले ही ओवर में दूसरा विकेट गिरने के बाद नांगल चौधरी की टीम दबाव में आ गई और निर्धारित ओवरों छह विकेट खोकर 56 रन बना सकी। टारगेट का पीछा करने उतरी खातोली जाट के खिलाड़ियों पे संभलकर खेलना शुरू किया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले तीन ओवरों में 25 रन बनाकर अच्छी शुरूआत दी। पांचवें ओवर में लगातार तीन विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई, लेकिन मध्यक्रम क्रम के बल्लेबाजों ने रन की औसत को बरकरार रखते हुए खेलना शुरू किया। टीम ने सात ओवरों में पांच विकेट खोकर 57 रन अर्जित करके मैच जीत लिया। कमेटी के प्रवक्ता ने बताया कि फाइनल मुकाबला 10 ओवरों का करवाया जाएगा, जिसमें विजेता रही टीम को 21 हजार से पुरस्कृत किया जाएगा।

नांगल चौधरी। नांगल नूनिया में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते भाजपा नेता महेंद्र गुर्जर। *फोटो : हरिभूमि*

श्रीबाबा दयाल फुटबॉल पंचायती प्रतियोगिता हुई

- जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछौदिया ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कनीना क्षेत्र के गांव धनौंदा में श्री बाबा दयाल 69वीं फुटबॉल पंचायती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछौदिया मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने खेल स्टेडियम के प्रांगण में ध्वजारोहण भी किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेलों से केवल शरीर ही नहीं बल्कि मनुष्य का मस्तिष्क का भी विकास होता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह हर रोज थोड़ा समय खेलों के लिए आवश्यक निकले। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में संजय सतनाली प्रथम व जगत बादली दूसरे स्थान पर रहा। 400 मीटर में सचिन बेरी प्रथम, लक्ष्मण सिंह धनौंदा दूसरे स्थान पर रहा। 800 मीटर प्रथम दीपेन्द्र घनौंदा व द्वितीय हेमन्त मेघनवास रहा। 1600 मीटर में सचिन बेरी प्रथम, महेश सिंह द्वितीय रहा। 100 मीटर बुजुर्ग की दौड़ में गिरधारीलाल प्रथम, रोशनलाल द्वितीय रहा। इस मौके पर जिला पार्षद ठाकुर अजित सिंह, जिला पार्षद लीलाराम, विजम शर्मा, सुधीर, डा. मुकेश सिंह, सचिव भूपेन्द्र सिंह, मास्टर रतन सिंह, पूर्व सरपंच सुरेन्द्र सिंह, थानेदार बीरसिंह, किशनपाल सिंह, ठाकुर राजेन्द्र सिंह मौजूद थे।

नारनौल। ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछौदिया। *फोटो : हरिभूमि*

अयोध्या से आए चित्र व पत्रक किए वितरित

- श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रामभक्तों में दिखा भारी उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

अयोध्या में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम के बालरूप नूतन विग्रह को नवीन मंदिर भू-तल के गर्भगृह में विराजित कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस पावन अवसर पर अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों, मंदिरों में खुशी के साथ दीप जगाकर दीपावली मनाने का निमंत्रण दिया जा रहा है। वार्ड नंबर-चार में घर-घर जाकर अयोध्या से आए पूजित अक्षत, राम मंदिर का चित्र व पत्रक बांटने का कार्य पूरा हुआ। वार्ड की पार्षद ममता सोनी ने बताया कि लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए निमंत्रण देने का कार्य शत- प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। गिरीश कनोडिया, ओमप्रकाश टांक, सुरेश वर्मा, बिशनदयाल, दक्ष कानोडिया, राजेंद्र इशरका, दिनकर बोहरा, रवि अरोड़ा, अनीता, मीना, सुमनलता, प्रियंका कानोडिया, ज्योति गोयल, अशोक गोयल, तुषार गोयल आदि मौजूद रहे।

जिले में नहीं एक भी आधुनिक खेल स्टेडियम

- सोमवार को क्रिकेट का शुभारंभ विधानसभा भावी प्रत्याशी डॉ. भूप सिंह यादव ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बाबा साध समिति द्वारा गांव अकोदा में नौ दिवसीय बाबा साध क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को क्रिकेट प्रतियोगित का शुभारंभ सेवानिवृत्ति पशुपालन उपनिदेशक एवं विधानसभा भावी प्रत्याशी डॉ. भूप सिंह यादव ने किया। विधानसभा भावी प्रत्याशी एवं सेवानिवृत्त पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. भूपसिंह यादव ने कहा कि हमारे क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति काफी रुझान है। लेकिन पूर्व सरकार एवं वर्तमान सरकार की तरफ से जिले के युवाओं के लिए कोई भी आधुनिक खेल स्टेडियम उपलब्ध नहीं करवाए गए हैं, जिससे यहां के खिलाड़ी अपनी पूर्ण प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल हमारे स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है तथा खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन व सुविधा मिले तो इस क्षेत्र के युवा भी देश के लिए खेल सकते हैं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पदक लाकर देश का नाम रोशन कर सकते है तथा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। सरकार द्वारा जिन-जिन जिलों में आधुनिक खेल स्टेडियम दिए हैं, वहां के खिलाड़ी अक्सर मेडल जीतने में कामयाब होते हैं, लेकिन महेंद्रगढ़ क्षेत्र के युवाओं को हर सरकार द्वारा हमेशा ही पीछे रखने की कोशिश की जा रही हैं। क्योंकि खेल के साथ-साथ यहां आईएमटी ने खोलकर भी युवाओं को बेरोजगार रखा जा रहा है। इस मौके पर सरपंच लालाराम, अभय सिंह, रामनिवास, सुभाष लावण, महेंद्र सिंह, राहुल, अमित व पूर्ण सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों व ग्रामीणों को संबोधित करते डॉ. भूपसिंह यादव। *फोटो : हरिभूमि*

राज्यमंत्री ने जताया कृष्णा गुप्ता के निधन पर शोक

- स्व. कृष्णा गुप्ता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अग्रवाल वैश्य समाज के जिला प्रधान संदीप नूनीवाला की माता स्व. कृष्णा गुप्ता के निधन पर राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने शोक जताया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राव नरेंद्र सिंह, राष्ट्रीय नवचेतना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सोमानी, जिला अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश राजेश गुप्ता, अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश निशांत शर्मा, वैद्य किशन वशिष्ठ, कांग्रेस नेता प्रदीप यादव, चंद्रप्रकाश गुर्जर, हरियाणा व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, रोटरी क्लब के प्रधान नरेश गोगिया, अग्रवाल सभा के प्रधान पीसी गुप्ता एडवोकेट, नेत्रहीन कन्या विद्यालय के प्रधान मुखराम सैनी ने नूनीवाला हवेली में पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि स्व. कृष्णा गुप्ता बहुत ही सामाजिक व धार्मिक विचारों की महिला थी।

एनएसएस शिविर का समापन

- स्वयंसेवकों ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर पोस्टर बनाए एवं रंगोली बनाकर कला का प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

निकटवर्ती गांव कादमा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर पोस्टर बनाए एवं रंगोली बनाकर कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम अधिकारी रणधीर सिंह ने बताया कि शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सरपंच महेश कुमार फौजी ने शिविर के दौरान स्वयंसेवकों की ओर से किए कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एसएमसी प्रधान संगीता स्वामी ने पौधरोपण को प्रेरित किया। प्राचार्य दलबीर सिंह ने एनएसएस के बारे में बताया साथ ही निकट भविष्य में होने वाली परिक्षाओं को लेकर छात्रों को आवश्यक जानकारी दी। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकाली, जिसे मुख्य अतिथि व उपस्थित गणमान्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर नरेंद्र सिंह, अनीता, हवासिंह आदि मौजूद थे।

सतनाली मंडी। जागरूकता रैली को हरी झंडी दखाते मुख्य अतिथि, प्राचार्य व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

पंजीकृत मजदूरों को सरकार दे रही विभिन्न योजनाओं का लाभ

महिला आईटीआई में 10 से 12 तक श्रमिक पंजीकरण कैम्प

- हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अधिकारी रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड श्रमिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं चला रहा है। इन योजनाओं के लिए पंजीकरण के लिए आगामी 10 से 12 जनवरी तक महिला आईटीआई में श्रमिक जागरूक एवं श्रमिक पंजीकरण कैम्प का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि 10 से 12 जनवरी तक मजदूर चौक स्थित महिला आईटीआई में हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से श्रमिक जागरूक एवं श्रमिक पंजीकरण कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से श्रमिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट पर अपने आप को पंजीकृत कर सकते हैं।

प्रोत्साहन सहायता प्राप्त करने की शर्तें

एक वर्ष की नियमित सदस्यता एवं वेबसाइट पर उपलब्ध घोषणा पत्र पूर्ण रूप से भरकर अपलोड करना अनिवार्य है। पंजीकृत श्रमिक की पुत्री महाविद्यालय में नियमित रूप से उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रही है, इस संदर्भ में महाविद्यालय व अन्य उच्च शिक्षा संस्थान के मुखिया की ओर से जारी किया गया प्रमाण-पत्र अपलोड करना अनिवार्य है। केवल वही छात्रा जो हरियाणा राज्य के किसी उच्च शिक्षण संस्थान व कॉलेज में पढ़ाई कर रही हो वह इस प्रोत्साहन सहायता की पात्र होगी। श्रमिक की पुत्री की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए तथा शादीशुदा नहीं होनी चाहिए। श्रमिक की पुत्री के पास दोपहिया वाहन चलाने का वैध लाइसेंस होना चाहिए। श्रमिक के परिवार के किसी सदस्य के नाम पहले से ईंधन से चलने वाला या इलैक्ट्रिक वाहन नहीं होना चाहिए। इस योजना के अधीन प्रोत्साहन सहायता एक परिवार में एक इलैक्ट्रिक स्कूटर की खरीद तक सीमित है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर की खरीद के लिए मिलेगी प्रोत्साहन राशि

औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थय (श्रम विभाग) से सहायक निदेशक दिनेश यादव ने बताया कि पंजीकृत निर्माण श्रमिक की पुत्री के उच्चतर शिक्षा प्राप्त करते हुए उसकी गतिशीलता को आसान बनाने के उद्देश्य से बोर्ड की ओर से 50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि या वास्तविक एक्स-शोरूम कीमत जो भी कम हो रूप में प्रदान की जाएगी।

खबर संक्षेप

नारनौल। ग्रामीणों की समस्या सुनते बसपा नेता अतरलाल। फोटो : हरिभूमि

सरकार कर रही किसानों के साथ भेदभाव: अतरलाल

नारनौल। प्रदेश सरकार महेंद्रगढ़ जिले के किसानों, मजदूरों, युवाओं के साथ भेदभाव कर रही है। उक्त आरोप बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने गांव मोहनपुर नांगल, मुंडियाखेड़ा, छापड़ा सलीमपुर, खैराणा गांवों में ग्रामीणों की समस्या सुनते हुए लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 2022-23 रबी सीजन की फसल गेहूं व सरसों में हुए नुकसान का मुआवजा सात जिलों में तो दे दिया, लेकिन महेंद्रगढ़ जिले के किसानों का यह मुआवजा अब तक नहीं मिला है।

सरपंचों को सम्मानित कनरे की योजना

नारनौल। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 142 प्ले-वे स्कूल चलाए जा रहे है, जो सरपंच पंचायत स्तर पर स्थानीय लोगों के सहयोग से अपने यहां चल रहे इन प्ले-वे स्कूलों को मॉडल के तौर पर तैयार करवाएंगे, उन्हें जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने सोमवार अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन समिति की समीक्षा बैठक में दी।

संकल्प यात्रा गांव ढाढोत और माधोगढ़ पहुंची

महेंद्रगढ़। आगामी 26 जनवरी तक चलने वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा सोमवार को गांव ढाढोत व माधोगढ़ पहुंची। गांव माधोगढ़ में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। ढाढोत मे जिला पार्षद योगी वचनाई नाथ मुख्यातिथि थे। दोनों गावों में मुख्यातिथि ने विकसित भारत की शपथ दिलाई।

अंडरपास के शेष कार्य को लेकर धरना जारी

मंडी अटेली। अटेली में अंडरपास निर्माण के शेष कार्य को पूरा करवाने के लिए अनिश्चितकालीन धरना 34वें भी जारी रहा। संघर्ष समिति संचालक डॉ. राजेंद्र प्रसाद खरब ने कहा कि संघर्ष समिति के बुलंद हौसले से भयंकर ठिठुरती सर्दी के मौसम में भी अपनी वाजिब मांग के प्रति वचनबद्धता को दर्शाया है, जिसे सभी ने सराहा है। यह सब आसपास के ग्रामीणों तथा सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, अटेली शहर व ग्रामीण गणमान्य मौजिज सामाजिक सरोकार को समर्पित लोगों से ही संभव हो पाया है।

भोजावास विद्यालय में एनएसएस शिविर आरंभ

कनीना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में सोमवार से सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य यादवेंद्र सिंह ने बताया कि इस दौरान स्वयंसेवक विद्यालय प्रांगण की सपुाई करेंगे। वहीं गांव में प्रभात फेरी लगाकर ग्रामीणों को सामाजिक बुराइयों का त्याग करने के लिए जागरूक करेंगे।

जिले में फिलहाल 4500 बेसहारा गोवंश, अब होगी गुलाबी रंग की ईयर टैगिंग

- अतिरिक्त बेसहारा मवेशियों के लिए बुनियादी ढांचे के लिए सरकार देगी 7000 प्रति पालतू पशु
- दैनिक आधार पर मिलेंगे 20 से 40 रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गौशाला संचालकों के साथ बैठक करती उपायुक्त मोनिका गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

जिले में घूम रहे बेसहारा गौवंश को नजदीकी गौशालाओं में भेजने के लिए सोमवार को उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिला की सभी गौशालाओं के संचालकों के साथ बैठक की। इस बैठक में डीसी ने बताया कि बेसहारा गौवंश को गौशालाओं में विस्थापित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान पुनर्वासित गौवंश का उचित रिकॉर्ड रखने के लिए गुलाबी रंग की ईयर टैगिंग की जाएगी। इसमें 12 अंकों का बार कोड होगा। नए पुनर्वासित गौवंश को अलग रखना होगा, ताकि नए पुनर्वासित गौवंश की गिनती आसानी से की जा सकें। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देश अनुसार अतिरिक्त गौवंश के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के लिए 7000 प्रति गौवंश एवं दैनिक आधार पर 20 रुपये बछड़ियों, 30 रुपये गाय एवं 40 रुपये नंदी के लिए दिए जाएंगे। इस योजना में शामिल होने के लिए एक गौशाला को कम से कम 50 पशु लेने होंगे। उन्होंने बताया कि इनके लिए चारा अनुदान के तौर पर छोटे पशुओं के लिए 20 रुपये, बड़े पशुओं के लिए 30 रुपये तथा नदी के लिए 40 रुपये प्रति मवेशी प्रतिदिन दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले की पंजीकृत गौशालाओं को इस साल एक करोड़ 38 लाख रुपये की चारा अनुदान के तौर पर सहायता दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि विकास एवं पंचायत विभाग हरियाणा ग्रामीण क्षेत्र से बेसहारा पशुओं को पकड़ने और गंतव्य सूची के अनुसार पहले से मौजूद गौशालाओं तक पहुंचाने के लिए जिम्मेदार होगा। शहरी स्थानीय निकाय विभागए शहरी क्षेत्र से बेसहारा पशुओं को पकड़ने और गंतव्य सूची के अनुसार पहले से मौजूद गौशालाओं तक पहुंचाने के लिए जिम्मेदार होगा। इस संबंध में पशुपालन विभाग के डीडीए डा. नसीब सिंह ने बताया कि जिले में 21 पंजीकृत गौशालाओं में 18500 गोवंश मौजूद हैं। फिलहाल जिले में लगभग 4500 बेसहारा गौवंश है। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार इन सभी को विभिन्न गौशालाओं में भेजा जाना है। इस अवसर पर गौशाला संचालकों ने गौ संरक्षण के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की सराहना की।

सरकार ने योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे हकदार तक पहुंचाने का काम किया है

हर व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाना ही सरकार का लक्ष्य

- सरकार नागरिकों को घर द्वार पर ही सरकार की योजनाओं का लाभ दे रही है: डा. अभय सिंह
- मनोहर-मोदी की डबल इंजन की सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ देने का कार्य कर रही है: रामबिलास शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

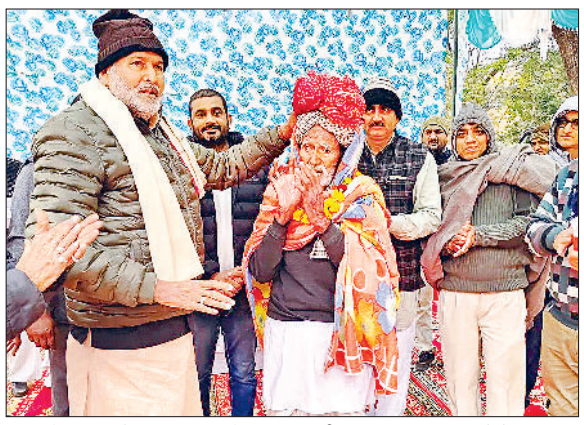

नारनौल। विकसित भारत की शपथ दिलाते नांगल चौधरी विधायक डा. अभय सिंह यादव व गांव के बुजुर्ग को सम्मानित करते पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा सोमवार को सतनाली खंड के गांव ढाढोत व माधौगढ़, अटेली खंड के चंदपुरा व धनौंदा, नांगल चौधरी खंड के गांव भुंगारका, निजामपुर खंड के रावता की ढाणी व बायल तथा सिहमा खंड के आजमनगर में पहुंची। इस अवसर पर नागरिकों को विकसित भारत की शपथ दिलाई। गांव आजमनगर में राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। वहीं चंदपुरा में अटेली विधायक सीताराम यादव, रावता की ढाणी व भुंगारका में नांगल चौधरी विधायक डा. अभय सिंह यादव व माधौगढ़ में पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की।

ढाढोत में जिला पार्षद वचनाई नाथ, धनौंदा में समाज कल्याण विभाग बोर्ड के सदस्य सुरेश शर्मा व बायल में पंचायत समिति चेयरमैन सुरेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। राजयमंत्री ओमप्रकाश यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचना ही सरकार का लक्ष्य है।

जो भी पात्र नागरिक सरकार की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गया है उन्हें योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है। हरियाणा प्रदेश में आम आदमी के कार्य आसानी से हो रहे हैं। सरकार ने आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए व्यवस्था परिवर्तन का काम किया है। अटेली विधायक सीताराम यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में मौजूदा प्रदेश सरकार ने अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे वास्तविक हकदार तक पहुंचाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद नागरिकों पहुंचाने के लिए सरकार ने परिवार पहचान पत्र को क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बन गया है। विधायक डा. अभय सिंह यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने नागरिकों को घर द्वार पर ही सरकार की योजनाओं का लाभ देने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा चलाई हुई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान लगने वाले कैंपों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए।

पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि मनोहर-मोदी की डबल इंजन की सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ देने का कार्य कर रही है। यह यात्रा प्रदेश के लाखों पात्र नागरिकों को योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ जरूरतमंद नागरिकों पहुंचाने के लिए सरकार ने परिवार पहचान पत्र को क्रियान्वयन का सशक्त माध्यम बन गया है।

आज इन गांवों में जाएगी यात्रा

आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को लेकर चल रही विकसित भारत जन संवाद संकल्प यात्रा नौ जनवरी को सतनाली खंड के गांव राजावास व बलाना, अटेली खंड के उनींदा व बेगपुर, नांगल चौधरी खंड के गांव भुंगारका, निजामपुर खंड के पाचनौता व मुसनौता तथा सिहमा खंड के मित्रपुरा, अकबरपुर रामू व फैजाबाद गांव में जाएगी। प्रशासन ने इन गांव में सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली है, ताकि लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजना व सेवाएं लेने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

महेंद्रगढ़। संवाद कार्यक्रम में उपस्थित रुस का प्रतिनिधि मंडल। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज बलाना में संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

- प्रतिनिधि मंडल ने आरपीएस संस्थान का भ्रमण भी किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्यों के लिए की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज बलाना में सोमवार को मोरडोविया स्टेट यूनिवर्सिटी रूस के चांसलर प्रो. दिमित्री सहित प्रतिनिधि मंडल द्विपक्षीय शैक्षणिक संवाद के लिए संस्था में उपस्थित हुआ, जिसमें दोनों शिक्षण संस्थाओं में आपसी शैक्षणिक स्तर को मजबूत करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शोधात्मक कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, वेटरनरी कॉलेज डीन डॉ. केएस रिसम, डॉ. एमके चौधरी, डॉ. आरएल भारद्वाज, डॉ. आनंद यादव सहित शिक्षक मौजूद रहे। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने बताया कि पिछले एक वर्षों से मोरडोविया स्टेट यूनिवर्सिटी रुस व आरपीएस शिक्षण संस्थान बलाना से आपसी छात्र व शिक्षक आदान-प्रदान इंजिनियरिंग टेकनोलॉजी, विज्ञान व वैटरनरी आदि के क्षेत्रों में शोधात्मक ज्ञान व नई शिक्षा नीतियां विकसित करने पर विचार मंथन कार्य चल रहा है। उसी के तहत सोमवार को मोरडोविया स्टेट यूनिवर्सिटी रुस का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा, जिसमें आत्मनिर्भर भारत बनाने, दोनों संस्थाओं के बीच ऑन लाइन शिक्षा व ऑफ लाइन शिक्षा, शिक्षकों व विद्यार्थियों का दोनों संस्थाओं में आदान-प्रदान व शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न बेजोड़ अवसर उपलब्ध करवाने के लिए द्विपक्षीय संवाद वार्ता हुई। प्रतिनिधि मंडल ने पूरे आरपीएस संस्थान का भ्रमण भी किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्यों के लिए आरपीएस संस्था की सराहना की। उन्होंने ड्यूल डिग्री कार्यक्रम शुरू करने व हिंदी रुसी भाई-भाई शब्द बार प्रयोग किये जाने पर आरपीएस संस्था के शिक्षकों ने धन्यवाद किया। गौरतलब है कि पिछले दिनों द्विपक्षीय संयुक्त संवाद के लिए कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव के नेतृत्व में आरपीएस संस्था का प्रतिनिधि मंडल मोरडोविया स्टेट यूनिवर्सिटी रूस गया था जो कि दोनों संस्थाओं के बीच सफल कार्यक्रम रहा था। दोनों और से संयुक्त बयान के बताया कि इस वर्ष आरपीएस कॉलेज के छात्रों व शिक्षकों का समूह अपनी शैक्षणिक व शोध के क्षेत्र में संभावनाओं को जानने के लिए बहुत जल्द रूस की यात्रा करेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मोची प्रकाश चंद को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रकाशचंद को सम्मानित करते नायब सैनी व अन्य।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी के मन में गरीब, असहाय और देश की तरक्की में भागीदारी करने वाले छोटे-छोटे कामगारों के प्रति अगाध श्रद्धा है। वे जहां भी जाते हैं तो ऐसे लोगों को सम्मानित करते हैं। रविवार को शहर में आयोजित नागरिक अभिनंदन से लौटते समय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मसानी चौक के नजदीक सड़क किनारे मोची का काम करने वाले प्रकाश चंद को देखा तो अपनी गाड़ी रुकवाई और उसके पास जाकर प्रकाश चंद की नगद राशि, शॉल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। नायब सैनी ने कहा कि मोदी सरकार इस प्रकार का काम करके देश की उन्नति में भागीदार बन रहे लोगों के लिए काम कर रही है। देश को आत्मनिर्भर बनाने में ऐसे लोग बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

झुलसी महिलाओं की मदद के लिए दी सहायता राशी

- जजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनीष ने सौंपा 50 हजार का चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हरीश को आर्थिक सहायता का चेक प्रदान करते जजपा जिलाध्यक्ष डा. मनीष शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बिजली का करंट लगने से झुलसी बड़का कुआं मोहल्ला की महिलाओं की आर्थिक सहायता के तौर पर जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष डा. मनीष शर्मा ने सोमवार को 50 हजार रुपये का चेक सौंप दिया। यह चेक उन्होंने शीला देवी के पति हरीश कुमार को सौंपा। यह जानकारी देते हुए जजपा के जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि गत 29 दिसंबर को नारनौल के पंचायत भवन में जनपरिवेदना समिति की मासिक बैठक चल रही थी। इस बैठक में समिति के चेयरमैन एवं बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला परिवादों का निपटारा कर रहे थे। तभी उनके सम्मुख मोहल्ला बड़ का कुआं की दो महिलाएं हाजिर हुई। इन महिलाओं के हाथ-पैर करंट से झुलस गए थे और यह दोनों महिलाएं चलने फिरने में असमर्थ थी तथा इन्हें परिजन अपनी-अपनी गोद में उठाए हुए थे। तब इन महिलाओं की दयनीय स्थिति को देखते हुए बिजली मंत्री ने सदन से इनकी आर्थिक मदद की अपील की थी, लेकिन तब सदन सन्नाटा छा गया था और कोई मदद को आगे नहीं आया था। तब मौके पर मौजूद जजपा के जिलाध्यक्ष डा. मनीष शर्मा सदन में खड़े हुए थे और दोनों महिलाओं का उपचार करने के साथ-साथ 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की थी। यह दोनों महिलाएं गत 23 दिसंबर को अपने मकान की छत पर कपड़े सूखा रही थी, तब कपड़े झड़काने पर एक महिला शीला देवी को करंट लग गया था, जबकि सास चाची संयोगिता उसे बचाने आई तो वह भी झुलस गई।

ठंड से बढ़ी ठिठुरन, आज बारिश की संभावना

कनीना। कड़ाके की ठंड के चलते सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। नागरिक अपने आप सहित दुधारू पशुओं को ठंड से बचाने का प्रयास कर रहे हैं। सर्दी से बचाव के लिए खाने का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। वहीं गर्म एवं ऊनी कपड़ों की मांग बढ़ रही है। घरों में दुबके ग्रामीण जरूरत होने पर ही घरों से निकल रहे हैं। ठंड के चलते रोजमर्रा की जिंदगी भले ही ठहरी है, लेकिन रबी फसलों के लिए यह वरदान साबित हो रही है। जिससे सरसों एवं गेहूं की फसल पूरे शबाब पर है। माना जाता है पौष व माघ दो महीने गहन ठंड के होते हैं। इन महीनों में ठंड का प्रकोप बना रहता है। पिछले दस दिनों के अंतराल में रविवार को सूर्य दिखाई दिया था।

यदुवंशी कॉलेज के छात्र युवराज जाखड़ ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता खिलाड़ी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी एजुकेशन कॉलेज के खिलाड़ी युवराज जाखड़ ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बॉक्सिंग चैंपियनशिप के 86 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर अपने कॉलेज एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बीएड कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने बताया कि यह खेल प्रतियोगिता चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली में दो से पांच जनवरी तक आयोजित हुई, जिसमें बीपीएड के छात्र युवराज जाखड़ ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए अपने फाइनल मुकाबले में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के बॉक्सर को एकतरफा शिकस्त दी।

युवराज के पिता नित्यानंद जाखड़ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं। खिलाड़ी युवराज से पूछे जाने पर उसने इसका श्रेय अपने माता-पिता, कोच व अपने कॉलेज को दिया। उसने बताया कि इस सफलता में परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

निदेशक विजय सिंह यादव ने युवराज जाखड़ को उसकी सफलता पर बधाई दी तथा कहा कि अंतर विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता जीतना कोई आसान कार्य नहीं है। यह खिलाड़ी की लग्न, कड़ी मेहनत व उचित दिशा निर्देश का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस खेल से हाथ, कंधे, पैर और कोर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

नारनौल। एनएसएस कैंप को संबोधित करते चरणसिंह बडेसरा। फोटो : हरिभूमि

नांगल दर्गू स्कूल में एनएसएस कैंप शुरू

नारनौल। *राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू में एनएसएस कैंप के शुभारंभ पर प्राचार्य श्रीमती कैलाश यादव के दिशा-निर्देश व जिला ऑडिटर चरण सिंह बडेसरा की देखरेख में यह एनएसएस कैंप लगाया जा रहा है। इस कैंप के प्रथम दिन विशिष्ट अतिथि पुष्करमल शर्मा रहे। इस अवसर पर प्रवक्ता राजनीतिक विज्ञान रामस्वरूप ने एनएसएस के बच्चों को समाज में फैल रही कुरीतियों जैसे बाल विवाह, नशा, धूम्रपान इत्यादि पर प्रकाश डाला। स्टेज संचालक चरण सिंह बडेसरा ने अपने विचार व्यक्त किए और एनएसएस के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई दी और भविष्य में परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु प्रोत्साहित किया और सभी बच्चों ने आए हुए मेहमानों का स्वागत फूलमाला द्वारा किया।*

पुलिस में एसपीओ की होगी भर्ती

- सेना एवं अर्धसैनिक बल के सेवानिवृत्त कर्मचारी, भंग की गई एचएसआईएसएफ बटालियन के हटाए गए कर्मचारी व 2004 में हरियाणा सशस्त्र बल के हटाए गए कर्मचारियों को महेंद्रगढ़ पुलिस में विशेष पुलिस अधिकारी के तौर पर किया जाएगा भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिकों/केन्द्रीय शस्त्र पुलिस बलों एवं एचएसआईएसएफ/एचएपी (एचएसआईएसएफ/एचएपी) हरियाणा से हटाए गए कर्मचारियों के लिए जिला पुलिस विभाग में एसपीओ के रिक्त पदों पर विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को भर्ती करेगा। भर्ती के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं होगी। जिसके लिए पुलिस लाइन नारनौल में 15 जनवरी व 16 जनवरी को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक आवेदन जमा किए जाएंगे। भर्ती प्रक्रिया 15 जनवरी को सुबह नौ बजे शुरू की जाएगी। यह भर्ती प्रक्रिया भी पुलिस लाइन में की जाएगी। इसके अतिरिक्त उक्त भर्ती प्रक्रिया में कुछ आवेदकों को एसपीओ के पद के लिए वेटिंग लिस्ट में रखा जाएगा। जिनको आगामी समय में रिक्त स्थान के अनुसार एसपीओ के लिए चयनित किया जाएगा। भर्ती के लिए इच्छुक समय पर पहुंच कर अपने कागजात जमा करवाएं। महेंद्रगढ़ पुलिस में पुलिस बल की बढ़ोतरी करने के लिये आर्मी और पैरामिलिट्री फोर्सेस से सेवानिवृत हुए एक्स सर्विस मैन को पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल भर्ती कमेटी के चेयरमैन के तौर पर रहेंगे और उनकी अध्यक्षता में भर्ती किया जाएगा। भर्ती के इच्छुक सेवानिवृत आवेदक भर्ती प्रक्रिया के लिए अपना फैमिली आईडी, आधार कार्ड, पैन कार्ड, चार पासपोर्ट साइज फोटो, मुल प्रमाण पत्र, एजुकेशनल सर्टिफिकेट्स और डिस्चार्ज बुक अपने साथ लाएं। इसके साथ ही अगर कोई आवेदक किसी प्रकार के खेल से संबंध रखता हो तो उससे संबंधित दस्तावेज भी अपने साथ लाएं।

चयन के लिए यह सेवा शर्तें लागू होगी

सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए यह आवश्यक है उनकी आयु 25 से कम व 50 साल से अधिक ना हो और उन्हें अनुशासनहीनता या मेडिकल के आधार पर न हटाया गया हो तथा मेडिकल कैटेगरी सेप-1 और चरित्र इगजेप्लरि होना चाहिए। सभी श्रेणियों के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं होगी। नियुक्ति पत्र देने से पहले एसपीओ का चिकित्सकीय परीक्षण किया जाएगा। नियुक्ति पत्र जारी करने से पहले चयनित उम्मीदवारों के चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन किया जाएगा।